B.A. SEM - (I)

HIST - 3

विषय प्रवेश

किसी भी विषय विशेष को इतिहासकार अलग-अलग नजरिये से देखते हैं। जब अलग-अलग इतिहासकार भिन्न-भिन्न नजरिये से देखते हैं, तो इसके अन्तर्गत दो तरीके का वर्गीकरण हो सकता है -

(i) एक वर्गीकरण कुछ इस किस्म का होता है कि कोई व्यक्ति, जब इतिहास का अध्ययन कर रहा होता है और अध्ययन करते हुए तथ्यों एवं तर्कों के आधार पर किसी विषय की विवेचना करेगा।

(ii) वह दूसरे व्यक्ति से भिन्न विवेचना करेगा।

यह एक सहज एवं सामान्य बात है कि अलग-अलग विवेचनाएँ उभरकर सामने आएँगी। और व्यक्ति के weltanschauung के निर्धारकों में से कुछ कारक अत्यंत ही महत्वपूर्ण हो जाते हैं और इन कारकों में एक महत्वपूर्ण कारक होता है — इतिहास को देखने का युगीन नजरिया। यानी हर युग के अनुरूप इतिहास को देखने के नजरिये के आधार पर इतिहास लेखन की विभिन्न विचारधाराओं का विकास हुआ।

यही विचारधारा इतिहास लेखन के लिये सूत्रधार (Guideline) का कार्य करने लगती है। तात्पर्य यह कि यदि हम प्राचीन भारतीय इतिहास का साम्राज्यवादी दृष्टिकोण से अध्ययन करें तो इतिहास लिखने वाला व्यक्ति ब्रिटिश साम्राज्यवाद की पोषकता के दृष्टिकोण से इतिहास लिखेगा। यही अगर युगीन नजरिया भारतीय दृष्टिकोण को रखकर लिखा जा रहा है तो व्यक्ति भारतीय व्यवस्था के ओरख को रेखांकित करेगा।

प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन को अध्ययन के दृष्टिकोण से दो भागों में बाँटा जा सकता है :-

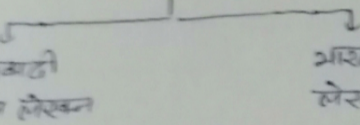

* साम्राज्यवादी इतिहास लेखन :- भारत में अंग्रेजों की सत्ता स्थापित हो जाने के बाद अठारहवीं सदी में कई यूरोपीय विद्वानों की रुचि भारतीय समाज व संस्कृति की ओर दिखाई पड़ती है। इनमें विलियम जोंस

पैक्सटूलर, जेम्स प्रिंसेप आदि प्रमुख हैं। भारत में साम्राज्यवादी दृष्टिकोण के पीछे अंग्रेजी साम्राज्य के स्थायित्व एवं श्रेष्ठता की भावना प्रबल रूप से विद्यमान थी।

औपनिवेशिक साम्राज्यवादी विचारधारा के इतिहासकारों में जेम्स मिल, एल्फिंस्टन, आर. कुम्बेरेज, पर्सीवल स्पीयर आदि विद्वानों के नाम प्रमुखता से लिये जाते हैं।

साम्राज्यवादी इतिहास लेखन के प्रतिक्रिया स्वरूप भारतीय विद्वानों ने राष्ट्रवादी इतिहास लेखन का दृष्टिकोण अपनाया। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में इतिहास की राष्ट्रीय विचारधारा का प्रयोग अधिक चरण मजुमदार, पट्टाभी सितारमैया (कांग्रेस के इतिहासकार) पंजाब केसरी लाला लाजपत राय, राधा कुमुद मुखर्जी एवं के० पी० जायसवाल आदि ने किया।